राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 436
विषहीन
नागराज

Amaan

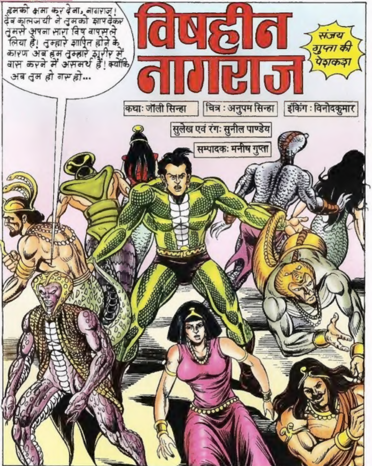

© RAJA POCKET BOOKS

visit us at: www.rajcomics.com

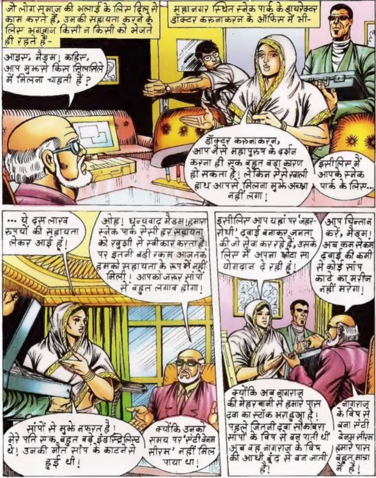
जो लोग समाज की भलाई के लिए दिल से काम करते हैं, उनकी सहायता करने के लिए भगवान किसी न किसी को भेजते ही रहते हैं-
महानगर स्थित स्नेक पार्क के डायरेक्टर डॉक्टर करुनाकरन के ऑफिस में भी-
आइए, मैडम! कहिए, आप मुझसे किस सिलसिले में मिलना चाहती हैं?
डॉक्टर करुनाकरन, आप जैसे महापुरुष के दर्शन करना ही एक बहुत बड़ा कारण हो सकता है! लेकिन ऐसे खाली हाथ आपसे मिलना मुझे अच्छा नहीं लगा!
इसीलिए मैं आपके स्नेक पार्क के लिए...
... ये दस लाख रुपयों की सहायता लेकर आई हूं!
ओह! धन्यवाद मैडम! हमारा स्नेक पार्क ऐसी हर सहायता को खुशी से स्वीकार करता है! पर इतनी बड़ी रकम आजतक हमको सहायता के रूप में नहीं मिली! आपको जरूर सांपों से बहुत लगाव होगा!
सांपों से मुझे नफरत है! मेरे पति एक बहुत बड़े इंडस्ट्रियलिस्ट थे! उनकी मौत सांप के काटने से हुई थी!
क्योंकि उनको समय पर 'एंटीवेनम सीरम' नहीं मिल पाया था!
इसीलिए आप यहां पर 'जहर-रोधी' दवाई बनाकर जनता की जो सेवा कर रहे हैं, उसके लिए मैं अपना छोटा सा योगदान दे रही हूं!
आप चिन्ता न करें, मैडम! अब कम से कम दवाई की कमी से कोई सांप काटे का मरीज नहीं मरेगा!
क्योंकि अब नागराज की मेहरबानी से हमारे पास दवा का स्टॉक भरा हुआ है! पहले जितनी दवा सौ कोबरा सांपों के विष से बन पाती थी अब वह नागराज के विष की आधी बूंद से बन जाती है!
नागराज के विष से बना एंटीवेनम सीरम हमारे पास बहुत मात्रा में है!

लेकिन हमारे पास बहुत कमी है। पैसों की। हम तुम्हारा पीछा बड़ी दूर से करते आ रहे हैं मैडम! लेकिन पैसे छीनने का मौका अभी मिला है!
लाओ! ब्रीफकेस हमको दे दो डायरेक्टर साहब!
नहीं! ये पैसा तुम जैसे गुंडों के लिए नहीं है! खबरदार जो इस पैसे को हाथ भी लगाया!
भाग जाओ!
अरे हट! वर्ना एक सेकंड में तुझे विधवा से मरी हुई विधवा बना दूंगा!
मैडम!
तड़ाक
मैं आपको यहां से ले चलता हूं मैडम! फिर वापस आकर इन गुंडों से निपटूंगा!
लेकिन बॉडी-गॉर्ड को वापस आने की जरूरत नहीं थी-
क्योंकि डॉक्टर करुनाकरन खतरे की घंटी का बटन दबा चुके थे-

और स्नेक पार्क के गॉर्ड्स ऑफिस में आ गए थे-
लेकिन उनके हथियार लुटेरों जितने अत्याधुनिक नहीं थे-
तड़ तड़ तड़ तड़ तड़ तड़ तड़
क्योंकि गॉर्ड्स को कभी हथियारों की जरूरत पड़ती ही नहीं थ
मैडम और उनका बॉडीगॉर्ड भी अभी बाहर नहीं निकल पाए थे-
आप लोग यहां क्या कर रहे हैं? बाहर जाने का रास्ता तो उधर है!
विषरोधी दवाई कक्ष
प्रवेश निषेध
तड़ तड़
गो... गोलियां चल रही है न! हम... यहां पर छुपे हुए हैं!
घबराइए मत! यह जगह नागराज की निगरानी में है! वह जल्दी ही आता होगा! आइए मैं आपको सुरक्षित बाहर पहुंचा दूं!
नागराज अभी तक स्नेक पार्क पहुंच नहीं पाया था-
और गॉर्ड्स भी लुटेरों को भागने से रोक नहीं पाए थे-
भागो! जल्दी भागो!

कुछ ही सेकंडों में लुटेरे, 'स्नेक पार्क' के बाहर पहुंच चुके थे-
वे रहे दोनों, जिन्होंने हमको ये दस लाख रुपए लूटने के लिए कॉन्ट्रेक्ट दिया था!
स्नेक पार्क BACK GATE
देखो कि हम अपराधी कितने ईमानदार होते हैं! चाहते तो हम ये पैसे लेकर भाग जाते! पर नहीं! हमको अपना ईमानदारी से कमाया रोकड़ा चाहिए! ये पकड़ो अपने दस लाख और हमारा मेहनताना दो लाख निकालो! फटाफट! वर्ना कहीं नागराज टपक पड़ा तो गड़बड़ हो जाएगी!
सारा पैसा रख लो! यह तुम्हारा मेहनताना है!
कमाल है! बड़े दिलदार हो सेठ! दो लाख बोलकर दस लाख देते हो!
कमाल है! आपने उनको पूरे दस लाख के दस लाख क्यों दे दिए?
उन दस लाख रुपयों की कीमत एक फूटी कौड़ी जितनी भी नहीं है...
...विषंधर! क्योंकि वे सब नगीना के मायाजाल से बने हुए पैसे हैं!
नगीना ने ही पैसे दान में दिए और खुद ही लुटवा भी दिए! पर क्यों?
कोई गहरा षड्यंत्र रचा जा रहा था-

लेकिन नागराज को फिलहाल इस षड्यंत्र की कोई खबर नहीं थी-
नागराज! आखिर ये आ ही पहुंचा! भागो, रुकना मत! दस लाख का सवाल है!
रुक जाओ!
अरे! ये तो मेरे चेतावनी देने पर भी रुक नहीं रहे हैं!
इनका पीछा करके इनको रोकना पड़ेगा!

तुम इन गटर के कीड़ों के पीछे बेकार क्यों दौड़ोगे नागराज! इसको तो मैं रोकता हूं!
शीतनागकुमार के फन से शीत किरणें निकलकर-
सड़क पर बर्फ की पर्त जमाती चली गई-
और लुटेरे उस पर अपना संतुलन कायम नहीं रख पाए-
लुटेरों ने नागराज से बचने की एक आखिरी कोशिश तो जरूर की-
तड़ तड़ तड़ तड़ तड़
फू ऊँ
लेकिन कोशिश नाकाम रही-

हर अपराधी जानता है कि स्नेक पार्क जैसी सामाजिक भलाई करने वाली संस्थाएं नागराज की खास निगरानी में हैं! फिर भी तुमने ऐसी जगह पर लूटपाट करने की हिम्मत की! ये उसी दुस्साहस का दंड दे रहा हूं तुमको! बाकी की सजा तुमको अदालत देगी!
लाओ! ब्रीफकेस और पैसे मेरे हवाले कर दो!
नहीं! ये... पैसे मेरे बुढ़ापे के लिए हैं!
मैं नहीं दूंगा!
नहीं देगा तो अभी तेरे सारे दांत तोड़कर तुझे एक मिनट में बूढ़ा बना दूंगा!
इस खींच-तान में-
ब्रीफकेस खुलकर जमीन पर आ गिरा-
लेकिन उसके अंदर-
कुछ भी नहीं है! कुछ भी नहीं! सिर्फ राख है! फिर पैसे कहां गए? इसी में तो थे पैसे?
तुम मुझे बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहे हो! बताओ, पैसे कहां पर छुपाकर आए हो तुम?
पैसे इसी में थे! बुहुहुहु! मेरा यकीन करो! मैंने अपनी आंखों से देखा था!
ह... हां! हमने भी देखा था! पैसे इसी में थे! पूरे दस लाख!
और तबसे ये ब्रीफकेस हमारी नजरों के सामने ही है!
मुझे शुरू से सारी बात बताओ!

हताश लुटेरे सारी घटना को टेपरिकॉर्डर की तरह सुनाते चले गए-
ओह! यानी जिसने तुमको यह सूचना दी कि स्नेक पार्क को दस लाख का डोनेशन दिया जाएगा, उसकी शक्ल तुमने नहीं देखी!
नहीं! हम बस इतना जानते हैं कि लबादे के अंदर से आने वाली आवाज किसी औरत की थी!
ठीक है! अब चुपचाप पुलिस स्टेशन जाकर अपने आपको कानून के हवाले कर दो! तुम्हारे ऐसा करते ही मेरे सांप तुमको छोड़ देंगे! वर्ना...
नहीं, नहीं! ह... हम सीधे पुलिस स्टेशन जाकर ही रुकेंगे!
शायद डॉक्टर करुनाकरन मुझे डोनेशन देने वालों के बारे में कुछ बता सकें और इस रहस्यमय घटना का रहस्य खुल सके!
लेकिन डॉक्टर करुनाकरन भी नागराज की कोई मदद नहीं कर सके-
आई एम सॉरी नागराज! न तो उस महिला ने मुझे कोई कार्ड दिया और न ही मुझको अपना या अपने स्वर्गीय पति का नाम बताया!
हमारी बात पूरी हो पाने से पहले ही लुटेरे अंदर आ घुसे थे!
एक बात दान देने वालों और दान लूटने का प्लान बनाने वालों में एक सी है! दान देने वाली भी एक औरत थी और लूटने वाली भी!
खैर! शायद मैं बेवजह ही ज्यादा परेशान हो रहा हूं!

नागराज का शक जल्दी ही हकीकत में बदलने वाला था-
आपकी योजना एकदम उत्तम है, देवी! लेकिन बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधेगा? मेरा मतलब आपकी योजना को पूरा करने के लिए नागराज के सामने कौन जाएगा?
बाचील!
ये बाचील कौन है? आपकी सेवा करते इतने दिन हो गए लेकिन फिर भी मैंने कभी ये नाम तक नहीं सुना!
नगीना के सेवकों की तादाद इतनी ज्यादा है कि उनको गिनते-गिनते तुम्हारी सांसें खत्म हो जाएंगी, लेकिन उनकी गिनती खत्म नहीं होगी!
देखना चाहते हो तो देखो बाचील को!
बाचील!
ओ! ओह! इ...इतना भयंकर प्राणी! जिसको देखकर ही मेरी सांसें रुकी जा रही हैं, उससे लड़कर नागराज का भला क्या हाल होगा?
मर जाएगा नागराज!

विस्तार से जानने के लिए पढ़ें . नागिन (नागराज सीरीज़)

नागराज एक ऐसी भयंकर समस्या से जूझने जा रहा था, जिसकी शक्तियों का उसे कतई आभास नहीं था-

महानगर के आकाश से आग बरस रही थी-
नीचे खड़ी भीड़ डर के मारे जड़ हो गई थी-
चाहकर भी उनसे भागा नहीं जा रहा था; पैर मनों भारी हो गए थे-
अब या तो उनको भगवान बचा सकता था-
या भगवान का भेजा कोई फरिश्ता-
ओह!
धन्यवाद, नागराज!

नागराज! आ गया, नागराज!
मुझे तेरा ही इंतजार था।
महानगर में आने वाला हर अजीबो-गरीब विलेन ऐसे ही विध्वंस करके मुझको बुलाता है!
इसीलिए मैं महानगर में एक ऐसा ऑफिस खोलने की सोच रहा हूं जहां पर कोई भी विलेन सीधे आकर मुझसे मिल सके!
उसकी जरूरत नहीं पड़ेगी! क्योंकि आज के बाद तुझसे मिलने वाला हर शख्स तुझसे तेरी समाधि पर आकर मिल लेगा! महानगरवासी तेरे मरने के बाद कम से कम तेरी समाधि तो बनवा ही देंगे!

जैसे बिना वजह तबाही फैलाने
शैतान अगर खत्म ही जाएं तो
अपने आप ही समाधि ले लूं! काश,
वो दिन जल्दी आए!
भीषण वार था वह-
अब सिर्फ एक ही काम बचा है! विष फुंकार के प्रयोग से तुझे बेहोश करके वापस जमीन पर ला पटकना!
मेरे परों के रहते यह संभव नहीं है.
इनको जरा सा हिलाते ही ऐसा तूफान उठ खड़ा होगा कि तेरी फुंकार के साथ- साथ...
चील का शरीर,
पंख फैलाए ही हवा में उड़ गया-
न जाने क्या-क्या
ओऽऽऽऽह!
इतना तेज बवंडर तो मैंने पहले कभी नहीं झेला!

इतने तेज बवंडर में मैं इच्छाधारी कणों में बदलने का खतरा मोल नहीं ले सकता! आsssह!
वैसे तो ये काम इसके पंखों की हरकत को रोक कर किया जा सकता है लेकिन फिलहाल तो इसके पंखों तक पहुंचना ही मुश्किल है!
या नहीं! मैं इसके पंखों को रोक सकता हूं! हां!
नागराज, पोल को पकड़कर उतरता चला गया-
और कुछ ही पलों के बाद-बाचील के परों की हरकत एकाएक थम गई-
इतनी तेज हवा में उड़ती ये टीन की चादरें मुझे काटकर रख देंगी। जल्दी ही इस बवंडर को रोकने का कोई तरीका ढूंढ़ना होगा!
अरे! ये... ये क्या? बाचील के परों की हरकत को किसने रोका है?

काम मेरी सर्प रस्सियों ने
किया है बाचील! तेरी आंधी से
बचने के लिए एक ही स्थान था
ज़मीन के नीचे। मेरे सर्पों ने ज़मीन
में फटाफट सुरंग खोद दी। और
ज़मीन के नीचे जाते ही मुझे तेरी
आंधी से छुटकारा भी मिल गया
और तुझ पर वार करने का
मौका भी मिल गया।
अब जब तक तू अपने
आपको संभाल पाएगा...
...तब तक तू
सर्प बंधनों में
जकड़ा जा
चुका होगा।

हालांकि तुम्हारे बड़े-बड़े पंखों के कारण तुमको बांधने के लिए मुझे काफी बड़ी संख्या में सांपों की रस्सियां छोड़नी पड़ेंगी, लेकिन फिर भी तुमको कसकर बांधना तो जरूरी है!
क्या ये ही तुम्हारा वह खतरनाक वार है नगीना, जो नागराज का अंत कर देगा! अरे, ये तो इतनी कसकर सर्प बंधनों में बांधा गया है कि ये तड़प तक नहीं पा रहा है!
अभी देखते रहो, विषंधर! बचील को भेजने के पीछे मेरा जो खास मकसद है, वह पूरा हो रहा है...

बाचील से निपटने के लिए नागराज अपने शरीर के सर्पों को भारी तादाद में बाहर निकाल रहा है। और नागराज जितने ज्यादा नाग छोड़ेगा, उसको उतनी ही ज्यादा कमजोरी महसूस होगी!
और वह उतनी ही जल्दी मात खाएगा!
" लेकिन उसके नागबंधन बाचील को बांधकर नहीं रख पाएंगे! देखते जाओ बाचील की गजब की शक्तियां - "
तू नागरस्सियों की पर्तें मुझ पर चढ़ा- चढ़ाकर थक गया होगा, नागराज! अब आराम से बैठ और देख बाचील की चाल! तेरे अंदर नाग बसते हैं न? अब देख कि बाचील के अंदर क्या बसता है!
बाचील का मुंह खुला-
और-
हे देवकालजयी! इसके मुंह के अंदर से बाजों की फौज निकल रही है!

और वे बाज इसके शरीर से सांपों को चुन-चुनकर खा रहे हैं! बाचील आजाद हो रहा है!
बाचील के साथ-साथ...
... जल्दी ही मेरे बाज भी तुम्हारे सांपों को खाने के बाद आजाद हो जाएंगे।
और फिर ये तुमको नोंच-नोंचकर खाएंगे।
मुझे चोंच मारने के बाद ये भी जिन्दा नहीं बचेंगे, बाचील!
इनके जिन्दा बचने की मुझे परवाह नहीं है! मेरे शरीर में सैकड़ों ऐसे बाज बसते हैं! तू अपनी परवाह कर!
तेरे खून के साथ-साथ तेरा विष भी थोड़ा-थोड़ा करके तेरे शरीर से बाहर बहता जा रहा है और तू कमजोर होता जा रहा है नाग

बाजों से मैं इच्छाधारी रूप में बदल-कर बच सकता हूं! लेकिन सिर्फ नील पलों के लिए! उसके बाद तो ये बाज फिर से मुझे नोंचने लगेंगे! और कोई रास्ता नहीं है! इन बाजों से निपटने के लिए मुझको और सांप छोड़ने होंगे!
सांपों की सेना, बाजों की टोली से टकरा गई-
बाजों की संख्या तो तेजी से कम हो रही थी-
लेकिन साथ ही साथ नागराज की शक्ति भी खत्म हो रही थी-
यही वह मौका है विषंधर, जिसके आने का हम इंतजार कर रहे थे! अब उस चीज को इस्तेमाल करने का वक्त आ गया है, जिसके लिए हमको स्नेक पार्क वाला नाटक खेलना पड़ा था!
इस गन में नागराज के विष से बनी वही 'विषनाशक सीरम' भरी है जो हमने तब चुराई थी, जब स्नेक पार्क के सारे गॉर्ड हमारे द्वारा भेजे गए लुटेरों से निपटने में व्यस्त थे!
अब जब नागराज के ही विष से बना 'विषनाशक सीरम' नागराज के शरीर में पहुंचेगा...
...तब नागराज का विष तेजी से नष्ट होने लगेगा।

एक- एक करके नागराज के विष से बने तीन 'विषनाशक सीरम' के इंजेक्शन नागराज के शरीर में आ धंसे-
नागराज के विष को एंटी सीरम तेजी से नष्ट करने ल
और नागराज को घुटने टेकने पर मजबूर हो जाना पड़ा-
बस ! अपना काम हो गया विषंधर। अब नागराज में इतनी भी ताकत नहीं बची है कि वह किसी नाग शक्ति का प्रयोग कर सके ! अब बाचील इसको भयंकर मौत देगा !

याद कर ले अपने भगवान को नागराज, तेरा भगवान तो देवकालजयी हैं न! बुला उसको! अगर वह तुझको बचा सकता है तो बचा ले!
बाचील के विशाल परों के किनारे एकाएक तलवार की धार की तरह चमक उठे-
और नागराज के शरीर पर गहरे-गहरे घाव लगने लगे-
मज़ा आ गया! काश कि ये नागराज की गर्दन काट पाता! पर इसके सिर की रक्षा इसकी इच्छाधारी शक्ति करती है! पर कोई बात नहीं! एक बार इसके अंग कट गए तो भी नागराज खत्म हो जाएगा! क्योंकि इसके कटे अंग जुड़ नहीं सकते!
बाचील के धारदार परों का अगला वार नागराज का हाथ उसके शरीर से अलग कर देता-
लेकिन वह वार बीच में ही रोक लिया गया-
कौन?

फेसलेस! नागराज ने तुम्हारे षड्यंत्र को एक मामूली सी बात समझा, बाचील! लेकिन फेसलेस ने नहीं! मैं समझ गया था कि स्नेक पार्क के हादसे के बाद नागराज को ही निशाना बनाया जाएगा, इसलिए मैं समय रहते नागराज की मदद के लिए आ गया! पता नहीं मैं तुमसे जीत पाऊंगा या नहीं! पर तुम्हें उतनी देर तक उलझाए जरूर रखूंगा जितनी देर में नागराज अपने आपको संभाल ले!
कहते हैं कि इंसानों के हर कार्यकलापों पर देवताओं की नजर रहती है-
और यह लड़ाई भी कोई अपवाद नहीं थी-
देखा गरलगंट! सच्चाई की ताकत के आगे बुराई कभी नहीं टिक सकती! महाप्रभु की लीला ने सत्य को तुम्हारी बुराई के आगे हारने नहीं दिया
लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है कालजयी! ये तो लड़ाई का अंत ही बताएगा कि बुराई जीतेगी या सच्चाई!
मेरी मानो तो अब तुम स्वयं भी बुराई फैलाने के काम से अवकाश ले लो और अपने भक्तों को भी यही सलाह दो!
क्या पता कल को तुम्हारा भक्त नागराज तुमको छोड़कर मेरी भक्ति करने लगे! मत भूलो कि जिस नागराज पर तुम इतना अभिमान कर रहे हो, वह एक जमाने में स्वयं नागपाशा जैसे शैतान का गुलाम था!

गलत कह रहे हो तुम गरलगंट! नागराज ने उस वक्त भी बेकुसूरों के बजाय पापियों का नाश किया था! अगर ऐसा न हुआ होता तो मैं उसके शरीर में अपना जहर कभी न रहने देता!
अगर नागराज ने कभी भी मेरे विष की मदद से किसी निर्दोष को नुकसान पहुंचाया हो, तो बताओ मुझे गरलगंट! मैं उसी पल नागराज से अपना विष वापस ले लूंगा!
ठीक है, ठीक है! इतना उपदेश देने की आवश्यकता नहीं है! लड़ाई देखो! और मुझको भी देखने दो! हुंह!
नगीना और विषंधर भी फेसलेस के वहां पर पहुंच जाने से चकित भी थे और नाराज भी -
ये कहां से आ टपका? अगर ये एक मिनट और न आता तो नागराज कट चुका होता! खैर, नागराज अभी भी संभल नहीं पाया है! उसके संभलने से पहले मैं फेसलेस को संभालती हूं!
फेसलेस ने बाचील को नागराज से दूर रखा हुआ था-
तू मुझे तिलिस्मी वारों से मार नहीं सकता!
लेकिन मैं मौका मिलते ही तुझे मौत के घाट उतार दूंगा!
वह मौका तुझे नहीं मिलेगा बाचील!

बाजों की सबसे बड़ी शक्ति है हवा में उड़ पाना! और दूसरी शक्ति है अपने वजन से दस गुना ज्यादा वजन उठाकर भी हवा में बने रहना! अब देखना यह है कि जब तेरी ये दोनों शक्तियां ही आपस में टकराएंगी तो तू क्या करेगा बाचील!
अरे! मेरे पैर भारी होते जा रहे हैं! इनको उठाकर हवा में बने रहना मेरे लिए मुश्किल हो रहा है!
अब मैं तुझे ऐसे बंधनों में बांधूंगा, जिससे छूटना तो दूर, तू अपने पंख तक नहीं फड़फड़ा पाएगा!
मेरी दोनों शक्तियां भला आपस में ही क्यों टकराएंगी? लगता है कि तू मौत को अपने सामने देखकर पागल हो गया है!
और तू मेरे पैरों पर लिजलिजा वार क्यों कर रहा है?
ऐसा नहीं होगा फेसलेस! तू नागराज की मदद करके चीटिंग कर रहा है! तो हम भी बाचील की मदद करके उसका जवाब देंगे!

फेसलेस का तिलिस्मी वार बीच में ही टूट गया-
और बाचील को फिर नागराज तक पहुंचने का मौका मिल गया-
तू संभल रहा है नागराज! तेरे शरीर में विष फिर से बनने लगा है!
लेकिन मैं तुझे संभलने से पहले ही तेरी सारी हड्डियां तोड़ डालूंगा!
आँ SSSSS ह!
और फिर तुझे कुचल-कुचल कर मार डालूंगा!
आSSS ह! कई हड्डियां टूट गई हैं! पर मुझमें थोड़ी सी शक्ति भी वापस आई है!
लेकिन वह इससे निपटने के लिए काफी नहीं है!
काश मुझे कहीं से थोड़ा सा भी अपना विष मिल जाता तो...
एक जगह है जहां से मुझे विष मिल सकता है! मुझे मानसिक संकेत भेजने होंगे! महानगर में फैले हुए अपने सैकड़ों जासूस सर्पों को बुलाना होगा!

कुछ ही पलों के अंदर- नागराज के सैकड़ों जासूस सर्प नागराज के आसपास उमड़ पड़े! और नागराज के शरीर पर जगह-जगह नागदंश लगने लगे-
आऽऽऽह! इन सर्पों के अंदर मेरा ही विष पनपता है! और अब वह विष इन सर्प दंशों के जरिए मेरे शरीर में पहुंच रहा है! हालांकि यह विष मेरी शक्ति का एक छोटा सा अंश ही वापस लौटा पाएगा, लेकिन फिर भी मेरी ये जरा सी ही शक्ति भी...

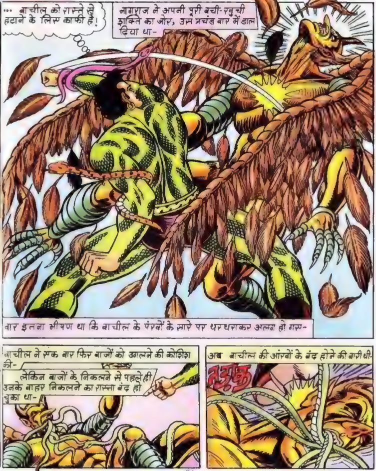
... बाचील को रास्ते से हटाने के लिए काफी है!
नागराज ने अपनी पूरी बची-खुची शक्ति का जोर, उस प्रचंड वार में डाल दिया था-
वार इतना भीषण था कि बाचील के पंखों के सारे पर थरथराकर अलग हो गए-
बाचील ने एक बार फिर बाजों को उगलने की कोशिश की-
लेकिन बाजों के निकलने से पहले ही उनके बाहर निकलने का रास्ता बंद हो चुका था-
अब बाचील की आंखों के बंद होने की बारी थी-
तड़ाक

नगीना क्रोध से दहक उठी-
ओफ़! बाचील असफल रहा! मैंने इसको नागराज थाली में परोसकर दिया था, फिर भी ये निकम्मा उसे खा नहीं पाया! इसको जीने का कोई हक नहीं है! कोई हक नहीं है इसको जीने का!
नागराज के देखते ही देखते, बाचील राख के ढेर में तब्दील हो गया-
तुमने देखा, फेसलेस! किसी ने इस पर वार किया है! यानी बाचील सिर्फ एक मोहरा था!
हाँ, नागराज! और इसको मोहरा बनाकर भेजने वाला इस वक्त गुस्से से दांत पीस रहा होगा! क्योंकि तुमको शक्तिहीन करने के बावजूद बाचील तुम्हारे सामने टिक नहीं पाया!
वैसे तुमको अभी भी सतर्क रहना होगा! हो सकता है कि तुम पर अभी ऐसे ही एक-दो हमले और हों!
मैं जानता हूं फेसलेस! लेकिन अगली बार मोहरे के साथ-साथ मोहरे को चलाने वाला भी नागराज से मात खाएगा!

ना दूसरा वार करने के लिए छटपटा रही थी-
ी मेहनत, सारी योजना मिट्टी
मिल गई! मैंने नागराज को लगभग
हीन कर ही दिया था! अगर
लेस एक दो पल की भी देर से
पहुंचता तो नागराज का राम-नाम
य हो गया होता! लेकिन मेरी
किस्मत ही खराब है!
लेकिन तुम्हारी योजना अच्छी थी, नगीना!
राक्षस गरलगंट!
मुझे माफ कर दीजिए
ने पिछली बार जो आपके
ज्ञान का वार आप पर ही
दिया था, उसके लिए
क्षमा चाहती हूं। मुझे
ना मत! मारना
मत!
मैं तो तुमसे बहुत खुश हूं नगीना...

अरे, मेरा काम बुराई को फैलाना है। और बुराई फैलाने में तो तू मुझसे भी दो कदम आगे है। मैं तुझे मारने नहीं बल्कि नागराज को तेरे हाथों से मरवाने के लिए आया हूं!
सच गरलगंट! आप धन्य हैं! बताइए कि नागराज को विषहीन करके मारने के अलावा और कौन सा तरीका आपके पास है!
तरीका तो तुम्हारा वाला ही सही है नगीना! नागराज को विषहीन करने के बाद ही मारा जा सकता है!
लेकिन उसको विष हीन में या नहीं, बल्कि सिर्फ काल जयी कर सक है!
तुम नागराज के विष से किसी निर्दोष को मरवा दो और बाकी का काम मुझ पर छोड़ दो! पर याद रखना! मुझे कालजयी को नीचा दिखाना है! और अगर मैं तुम्हारी वजह से ऐसा नहीं कर पाया तो फिर तुम्हारी खैर नहीं!
लेकिन कालजयी ऐसा करेगा क्यों?
आप निश्चिन्त यक्ष राक्षस गरलगं नगीना का मायाज कभी विफल नहीं होता!
नागराज अपने विष से ही किसी निर्दोष को मारेगा और जरूर मारेगा! और ऐसा करने का रास्ता नागराज ने मुझे दिखाया है

गराज पर दूसरे हमले की शुरुआत होने ही वाली थी-
लो! फैलो! धरती को नर्क
नाने वाले कीड़ों! भर लो अपना
ट और सड़ा डालो सब कुछ.
ला डालो हर चीज को और इस
दूषित हवा को बदबू से भर दो!
सड़ेली आज इस
हर को सड़ेला बना
डालेगी.
ड़ेली द्वारा फैलाए जा रहे जीवाणु
चीज को सड़ा रहे थे-
बसे पहला असर
ने की वस्तुओं और
कड़ी से बनी चीजों
दिखाई दे रहा था-
ईईईईई!
मेरा सारा अनाज
सड़ गया है! और
गोदाम के लकड़ी के
खंभे भी ऐसे गिर रहे
हैं जैसे इनमें घुन लग
गई हो!

अगला निशाना लोहे की वस्तुएं थीं-
ओफ्! कितनी बदबू आ रही है! लग रहा है कि जैसे सैकड़ों टन बना हुआ खाना सड़ गया हो!
तुम्हें सही लग रहा है, बिंदु! ऐसा ही हो रहा है! और... और अब इन खंभों पर चढ़ा प्लास्टिक पेंट भी गायब हो रहा है! और खाली लो... पर तेजी से जंग लग रहा है!
खंभा गिर रहा है! भाग!
महानगर में... ओफ्, ये बदबू... सॉरी! महानगर में न जाने कैसे हर तरह की वस्तुएं एकाएक खराब होनी शुरू हो गई हैं! खाना, फर्नीचर, अनाज, फल-सब्जियां, रेशम के कपड़े सभी जैसे सड़ रहे हों! और अब कई लोगों ने अपने शरीरों में भी खुजली, एक्जिमा, दाने और चमड़ी गलने जैसी बीमारियों की रिपोर्ट की है! इस अचानक फैली रहस्यमय बदबू का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है!
कमाल है!

पूरे महानगर में खाने-पीने की चीजें सड़ रही हैं! लकड़ी से बनी वस्तुएं खराब हो रही हैं। लेकिन यहां तो कुछ भी नहीं है! हवा में बदबू तक नहीं है. ऐसा क्यों?
खिड़कियां तो खुली हुई हैं!
इसका एक ही कारण हो सकता है नागराज! यह घर तिलिस्म द्वारा तंत्र-मंत्र की शक्तियों के वार से सुरक्षित है! ये जरूर फिर उसी तांत्रिक का काम है! मैं अभी इस घटना के कारण का पता करता हूं!
वेदाचार्य की तिलिस्मी शक्ति ने सड़ेली को ढूंढ़ निकाला-
मैं उसे देख रहा हूं नागराज! ये कोई तांत्रिक प्राणी है! और इस वक्त वह किरबी पार्क के पास है!
बहुत बर्बादी हो ली! बहुत तबाही हो गई!
इस बार न तो तबाही फैलाने वाला बचेगा और न ही इसके जरिए महानगर को आतंकित करने वाला वह तांत्रिक!
नागराज को गुस्सा कभी-कभी ही आता था-
और जब नागराज को गुस्सा आता था-

तो शैतानों के लिए जैसे शिवजी का तीसरा नेत्र खुल जाता है-
वहीं पर रुक जा शैतान औरत! और साथ-साथ ही ये सड़न का कोढ़ फैलाना भी रोक दे, वर्ना नागराज तेरी सांसों को हमेशा के लिए रोक देगा!
धड़क
नागराज! आहा! बड़े भाग्य हैं मेरे जो मुझको तुझे सड़ाने का मौका मिला!

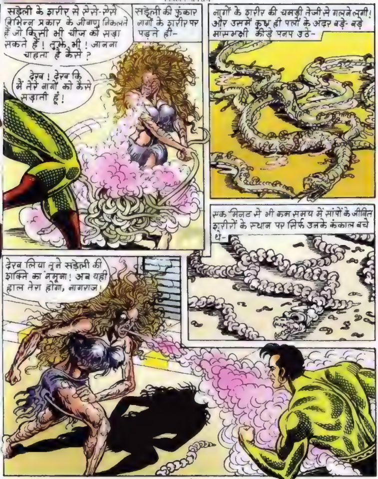
सड़ेली के शरीर से ऐसे-ऐसे विभिन्न प्रकार के जीवाणु निकलते हैं जो किसी भी चीज को सड़ा सकते हैं! तुझे भी! जानना चाहता है कैसे?
देख! देख कि मैं तेरे नागों को कैसे सड़ाती हूं!
सड़ेली की फुंकार नागों के शरीर पर पड़ते ही-
नागों के शरीर की चमड़ी तेजी से गलने लगी! और उसमें कुछ ही पलों के अंदर बड़े-बड़े मांसभक्षी कीड़े पनप उठे-
एक मिनट से भी कम समय में सांपों के जीवित शरीरों के स्थान पर सिर्फ उनके कंकाल बचे थे-
देख लिया तूने सड़ेली की शक्ति का नमूना! अब यही हाल तेरा होगा, नागराज!

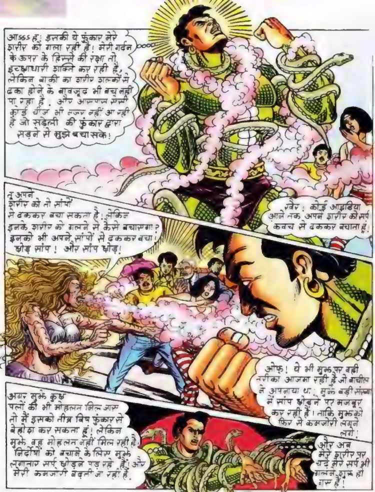
आऽऽऽह! इसकी ये फुंकार मेरे शरीर को गला रही है! मेरी गर्दन के ऊपर के हिस्से की रक्षा तो इच्छाधारी शक्ति कर रही है, लेकिन बाकी का शरीर शल्कों से ढका होने के बावजूद भी बच नहीं पा रहा है. और आसपास ऐसी कोई चीज भी नजर नहीं आ रही है जो सड़ेली की फुंकार द्वारा सड़ने से मुझे बचा सके!
तू अपने शरीर को तो सांपों से ढककर बचा सकता है! लेकिन इनके शरीर को गलने से कैसे बचाएगा? इनको भी अपने सांपों से ढककर बचा! छोड़ सांप! और सांप छोड़!
खैर! कोई आइडिया आने तक अपने शरीर को सर्प कवच से ढककर बचाता हूं!
ओफ्! ये भी मुझ पर वही तरीका आजमा रही है जो बाचील ने अपनाया था! मुझे बड़ी संख्या में सांप छोड़ने पर मजबूर कर रही है। ताकि मुझको फिर से कमजोरी लगने लगे!
अगर मुझे कुछ पलों की भी मोहलत मिल जाए तो मैं इसको तीव्र विष फुंकार से बेहोश कर सकता हूं! लेकिन मुझे वह मोहलत नहीं मिल रही है. निर्दोषों को बचाने के लिए मुझे लगातार सर्प छोड़ने पड़ रहे हैं! और मेरी कमजोरी बढ़ती जा रही है.
और अब मेरे शरीर पर चढ़े मेरे सर्प भी गलने शुरू हो गए हैं!

नागराज ने वहां पर खड़े लोगों को सड़ेली के वार से सुरक्षित कर दिया था-
ओ! तेरे सर्पों ने मेरी फुंकार और मेरे शिकारों के बीच में सर्प दीवार खड़ी कर दी है! लेकिन ये दीवार जल्दी ही गल जाएगी! और सांप छोड़ता जा! वर्ना ये नहीं बचेंगे!
बचेगी तो अब तू नहीं सड़ेली!
अरे! तूने मुझ पर वार किया! तूने जिस चीज से मुझ पर वार किया है! मैं उसी को गला डालूंगी!
तड़ाक
इसको तू नहीं गला पाएगी! क्योंकि ये तेरी फुंकार से गलने के बाद बचे हुए मेरे सर्पों के कंकाल हैं! और कंकालों को नष्ट करना आसान बात नहीं है! कंकाल तो हजारों सालों तक जमीन में दबे रहने के बावजूद भी नष्ट नहीं होते!
अब मैं तो अपने सर्पों के अस्थि कवच से सुरक्षित हूं ...
फूंऽऽऽ
लेकिन तेरे पास मेरी विष फुंकार से बचने के लिए कोई कवच नहीं है!
उस तीव्र विष फुंकार के वार ने-

सड़ेली के होश छीनकर उसको जमीन पर ला पटका-
अब इसको सर्प कंकाल के बंधनों में बांधकर मैं होश में लाऊंगा और फिर इससे उस तांत्रिक का नाम पूछूंगा जो यह सारा षड्यंत्र रच रहा ... अरे !
इसका... इसका तो रूप बदल रहा है !
ये... ये तो एक लड़की है. एक इंसान ; जिसको किसी तांत्रिक ने अपनी शक्ति से सड़ेली बनाकर भेज दिया था ! अच्छा हुआ कि मैंने इस पर ज्यादा तीव्र फुंकार नहीं छोड़ी ! वर्ना इंसान होने की वजह से इसको नुकसान भी पहुंच सकता था पर ये नीली क्यों पड़ रही है ? इसकी नब्ज की जांच करनी होगी !
नागराज को अपनी जिन्दगी का सबसे बड़ा झटका लगना अभी बाकी था-
ये... ये क्या ? ये तो मर चुकी है। अब मैं अपना विष वापस खींचकर भी इसको जिन्दा नहीं कर सकता ! ओफ् ! ये मैंने क्या कर डाला ? एक इंसान की जान ले ली मैंने ! मैंने शपथ तोड़ डाली अपनी !

गरलगंट को मौका मिल चुका था-
कालजयी! कालजयी इधर आ! देख अपने उस भक्तको जिस पर तुझे बड़ा गर्व था! उसने अपने विष से एक निरपराध को मार डाला है!
उसके अंदर तेरा ही विष है न! यानी आज तेरा विष भी इंसानों का हत्यारा बन गया है!
ये तू क्या बक रहा है, गरलगंट? ऐसा हो ही नहीं सकता! मैं खुद आकर देखता हूं कि मामला क्या है!
और धरती पर अगले ही पल-
देव कालजयी! आप और यहां पर?
हट जाओ नागराज, मुझे देखने दो इस कन्या को!
ये तो... ये तो वास्तव में मर चुकी है! और इसके शरीर में मेरा ही विष मौजूद है! यानी गरलगंट सही कह रहा था! तुमने ही इसको मारा है नागराज!
अपराध किया है तुमने!
और इस अपराध के दंड स्वरूप...
...मैं तुमसे अपना विष वापस लेता हूं नागराज!
इस पल के बाद तुम हो जाओगे...
...विषहीन नागराज!
नहीं, देव, नहीं! मेरी बात सुनिए! बात सुनिए मेरी!

आऽऽऽ ह! आऽऽऽ ह! मेरा सारा शरीर कांप रहा है। मेरे शरीर के सारे सूक्ष्म सर्प मर रहे हैं। और उनके साथ-साथ मेरी शक्ति भी जा रही है!
और उनके साथ-साथ हम भी जा रहे हैं, नागराज. अब हम तुम्हारे शरीर में वास करने में असमर्थ हैं। क्योंकि तुम शापित हो गए हो नागराज!
" तुम विषहीन होकर शक्तिहीन हो चुके हो नागराज! एक मामूली सामान्य इंसान "

शाबाश नगीना! तेरी चाल कामयाब रही! लेकिन नागराज की विष फुंकार से तो ये लड़की मर नहीं सकती थी! फिर तूने नागराज का विष इसके शरीर के अंदर कैसे पहुंचाया?
इन सर्पों के विष की मदद से! ये नागराज के जासूस सर्प हैं, जिनको मैंने पकड़कर इसी समय के लिए रखा हुआ था! इनके विष को मैंने एक 'तंत्र-कैप्सूल में भरकर इस लड़की के शरीर में इस तरह से डाला था कि उसका असर कुछ देर के बाद सामने आए! ये लड़की उसी विष से मरी है!
मुझे अपना पूरा ध्यान नागराज पर वार करके उसको मारने में लगाना है! अरे! यह क्या? ये सारे सर्प नागराज के पास वापस क्यों आ
और चूंकि इन सर्पों में भी नागराज का ही विष था इसीलिए देवकालजयी को ऐसा लगा जैसे नागराज ने ही अपना विष लड़की के शरीर में डालकर उसको मार दिया है! अब मेरा ध्यान मत भटकाइए!
ओफ़! ये क्या हो गया? ये नाग मुझे फिलहाल सफल नहीं होने देंगे। मुझे नागराज के अकेले मिलने का इंतजार करना होगा।
चिन्ता मत करो नागराज! हम इस षड्यंत्र को विफल करके तुम्हारा विष और तुम्हारी शक्ति तुमको वापस दिलाएंगे!
अगर हम तुम्हारे शरीर में नहीं रह सकते तो क्या हुआ? हम तुम्हारी हालत सामान्य होने तक तुम्हारे साथ ही रहेंगे!
लेकिन नागराज तुमको अकेला मिलेगा कब?

मुझे इतना पता है कि जब नागराज नागराज के रूप में नहीं होता तब किसी दूसरे रूप में होता है! और चूंकि उस रूप में नागराज को अपने ऊपर हमले का खतरा नहीं होता है, इसीलिए वह अकेला रहता
लेकिन तुमको उस रूप का पता कैसे चलेगा?
इन सांपों के जरिए! इनकी आंखों में नागराज के उस रूप की छवि जरूर होगी! मैं इनकी आंखों में नागराज के उस रूप को तलाश कर लूंगी!
नगीना ने जासूस सर्पों की आंखों में नागराज के गुप्त रूप की तलाश शुरू कर दी-
ओफ्फ! इनकी आंखों में तो ढेर सारे सर्पों और इंसानों की शक्लें हैं! ये सारे नागराज के मित्र या जान-पहचान वाले होंगे!
लेकिन इनमें से एक शक्ल ऐसी है जो नागराज से बहुत मिलती है! उसके कानों में वैसे ही कुंडल भी हैं!
"और उस रूप का नाम राज है-"
तुम पर छुपकर वार करने वाले तांत्रिक का तुमको शक्तिहीन करने का मकसद पूरा हो गया है नागराज! अब वह तुमको मारने की कोशिश करेगा! इसीलिए जब तक हम उस तांत्रिक को ढूंढ न निकालें तब तक तुमको राज के रूप में ही रहना होगा.
मैं ऐसा ही करूंगा! वैसे भी अब नागराज के रूप में आने का फायदा ही क्या है!
अपराध से तो मुझको लड़ना है ही!...
...लेकिन अब यह काम सुपर हीरो नागराज नहीं...

" रिपोर्टर राज करेगा -"
MAHANAGAR CO
महानगर कोआपरेटिव बैंक से आपके पास यह प्रसारण सजीव आ रहा है ! 'हाई सिक्योरिटी बैंक' में अभी- अभी कुछ लुटेरों ने डाका डाला है ! लेकिन उनके इस दुस्साहस का कारण किसी के समझ में नहीं आ रहा है !
हर कोई जानता है कि इस बैंक ने अपनी प्राइवेट सिक्योरिटी के लिए रिटायर्ड कमांडोज को नियुक्त किया है !
इस बैंक को लूटना असंभव है। फिलहाल तो पुलिस ने बैंक को घेर रखा है !
अब इंतजार है लुटेरों के बाहर आने का !
और... और जैसा कि आप देख रहे हैं कि लुटेरे बाहर आ रहे हैं ! लेकिन उनके हाथों में न तो हथियार हैं और न ही लूट के पैसे ! ये आत्मसमर्पण के मूड में लगते हैं !
जब ये लुटेरे जानते थे कि इस बैंक को लूटना असंभव है तो भला इन्होंने ऐसी चेष्टा की ही क्यों ?
तुझको यहां पर बुलाने के लिए, राज !
या मैं तुमको तुम्हारे असली नाम से बुलाऊं, नागराज !
हे भगवान ! मेरा... मेरा ये रहस्य तुमको किसने बताया ? कौन हो तुम ?

मुझे जानचट कहते हैं! लोगों की जान को चट कर जाती हूं मैं! और तेरे गुप्त रूप का रहस्य मुझको तेरी मौत ने बताया है!
इस हमले से बचने के लिए राज तो कुछ नहीं कर सकता था-
लेकिन उसके वफादार और शक्तिशाली दोस्त कर सकते थे-
नागराज को नुकसान पहुंचाने से पहले तुझको शीतनाग द्वारा दिए जाने वाले घावों को झेलना होगा, जानचट!
और सौडांगी के तंत्र वारों की दीवार को पार करना होगा!

ओह, मैं धोखा खा गई! मुझे लगा कि राज के रूप में तुम लोग नागराज का पीछा छोड़ दोगे!
उल्टे पाँव तो चुड़ैल चलती है! मैं नहीं चल सकती!
ऐसा करती हूं कि खाने से पहले जरा सा नाश्ता कर लेती हूं! नागराज की जान खाने से पहले तुम दोनों की जान खा लेती हूं!
अब यही धोखा तुम्हारी मौत का कारण बनेगा जानचट!
अगर जान की खैर चाहती है तो तुरन्त उल्टे पांव वापस लौट जा!
ऊर्जा का वह झटका भयंकर था-
तंत्र किरणों और बर्फ की रेखा के द्वारा जानचट से जुड़े शीतनागकुमार तथा सौडांगी वह झटका सह नहीं सके-
लेकिन नागराज के मित्र और भी थे-
जो जानचट को नागराज तक पहुंचने से रोक सकते थे-

लेकिन जानचट शायद कोई आम तंत्र-प्राणी नहीं थी! उसमें एक माहिर तांत्रिक की सारी खूबियां भरी थीं-
नागराज का कोई भी मित्र उसके सामने एक दो पलों से ज्यादा टिक नहीं पा रहा था-
और कुछ ही मिनटों के बाद नागराज और जानचट की बीच में खड़ी सारी बाधाएं खत्म हो चुकी थीं-
बस जानचट! रुक जा! तेरा काम मेरे रास्ते की अड़चनों को दूर करना था...

...वो काम तूने कर दिया! अब नागराज को मारने का शुभ कार्य हम करेंगे! आज हम अपनी बर्षों से भड़क रही प्यास को नागराज के खून से बुझाएंगे!
हां, नागराज! ये मायाजाल नगीना के सिवाय भला और कौन रच सकता था!
एक ऐसा जाल जिसने तुम्हारे साथ-साथ देव कालजयी को भी अपने अंदर फंसा लिया!
पर... पर तुमको ये कैसे पता चला कि राज ही नागराज है!
नगीना सांपों की आंखों में छुपी जानकारी पढ़ सकती है! तुम्हारे जासूस सर्पों की आंखों में छुपे चेहरों में से मैंने राज का चेहरा ढूंढ निकाला था!
नगीना! समझा! तो ये सारा षड़यंत्र तुम्हारा रचा हुआ था!
तेरे सारे सवालों के जवाब मिल गए हैं न नागराज! अब तू तसल्ली से मर सकेगा!
आज सच्चाई हारेगी और बुराई जीतेगी!
आSSSह.
तुझे तड़पा-तड़पाकर मारूंगी मैं नागराज! तूने भी मुझे बहुत तड़पाया है!

नागराज के अंदर ऐसी कोई भी शक्ति नहीं बची थी जो नगीना के वारों को रोक सकती-
एक-एक करके नागराज के अंग कटते चले गए-
खटच
कटच
खटच
क
अब शायद इच्छाधारी शक्ति भी नागराज का साथ छोड़ चुकी थी-
क्योंकि नागराज का सिर भी उसके धड़ से अलग होने से बच नहीं पाया था-

हा हा हा हा ! मुझे... मुझे यकीन नहीं हो रहा है! मैंने नागराज को मार डाला! काट डाला मैंने अपने सबसे बड़े दुश्मन को! मैं कहीं सपना तो नहीं देख रही हूं! मुझे अपने आपको चिकोटी काटनी होगी!
तू एक बेचारे रिपोर्टर को काटकर बेकार खुश हो रही है नगीना!...
... नागराज तो यहां पर खड़ा हुआ है! तूने मेरे जासूस सर्प की आंखों में गलत इंसान की छवि को पहचान लिया था!
यानी... यानी तुम राज नहीं हो! पर अच्छा हुआ इस बहाने तुम मेरे सामने तो आ गए! इस बार मैं असली नागराज को ही काटूंगी! ... इससे पहले कि कालजयी मेरी चाल को भांप कर तुमको तुम्हारा विष वापस दे दे, मैं तुमको लाश बना दूंगी!
मुझको लाश बनाने से पहले तुम नागद्वीप की कारागार में होगी! वैसे भी मुझे पता था कि मेरे धोखे में तांत्रिक राज पर ही हमला करेगा, क्योंकि मेरी शक्ल उससे मिलती है!
इसीलिए मैंने राज के मेकअप में अपने मित्र सर्प नागू को तुम्हारे सामने भेज दिया था!
ये... ये तो तेरी ही विष फुंकार है! तेरा विष तेरे पास वापस कैसे आ गया?
आऽऽऽह!
दिमाग चकरा रहा है!
मेरी योजना विफल हो गई है! अब गरलगंट मुझको जिन्दा नहीं छोड़ेगा! मुझे भागना पड़ेगा! छिपना पड़ेगा!
गरलगंट! मुझे माफ कर दीजिएगा! मुझे कुछ नहीं पता कि नागराज के पास विष वापस कैसे आ गया!
भागती कहां है नगीना! अभी तो तुझको उस लड़की के कत्ल का हिसाब चुकाना है, जिसको तूने सहेली बनाकर भेजा था!

ओह! ओह! ये तो सर्प रस्सी भी छोड़ने लगा! यानी इसकी ताकत पूरी तरह से वापस आ गई है!...अब एक तरफ ये है, और दूसरी तरफ गरलगंट है! इधर कुआं है तो उधर खाई! मेरा पूरा बदन डर के मारे थर-थर कांप रहा है। म... मैं किसी तंत्र या मंत्र को ठीक तरह से याद भी नहीं कर पा रही हूं!
अब तू तो मारी गई, नगीना!
थैंक्यू डॉक्टर करुनाकरन! आपने अपने पास स्टॉक में रखे मेरे विष का जो स्प्रे बनाकर दिया था वह काम आ गया! बाकी का काम पहले से ही मेरे शरीर से बाहर आ चुके जासूस सर्पों ने नागरस्सी बनकर कर दिया!
अब नगीना यह समझकर आतंकित हो गई है कि मेरी पूरी शक्ति वापस आ गई है! उसे पकड़ना अब आसान काम है!
लेकिन यह काम उतना आसान नहीं था-
आप यहां से जाइए स्वामिनी! इनको जानचट रोकेगी! चीर डालूंगी नागराज को मैं!
चाहे इसके अंदर जहर वापस आ गया हो या नहीं! ये मेरे हाथों से मरेगा!
आsss ह!
नगीना गायब हो रही है! और मैं उसको रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर सकता! फिलहाल तो मैं जानचट तक से अपने-आप को नहीं बचा पाऊंगा!
घबराओ मत, नागराज! नागू अभी यहां मौजूद है! मेरी मणि शक्ति इसको रोक लेगी!

लेकिन नागू, जानचट को रोक नहीं पाया-
पर नगीना भी आसानी से भाग नहीं सकी-
रुक जा नगीना! तूने मेरी नाक कटवा दी है! विषहीन और शक्तिहीन नागराज को जिन्दा छोड़कर तू भाग खड़ी हुई!
धोखा तो तुमने मुझे दिया है गुरुदेव! तुमने कहा था कि अगर मैं किसी निर्दोष को नागराज के हाथों मरवा दूं तो तुम कालजयी के द्वारा नागराज का विष नष्ट करवा दोगे! मैंने ऐसा जाल फैलाया जिसमें मेरे द्वारा मारी गई लड़की को मारने का दोष नागराज के माथे मढ़ा गया!
लेकिन फिर भी तुम कालजयी के द्वारा नागराज का विष नष्ट नहीं करा पाए!
मैंने करवा दिया था! तूने खुद देखा था!
झूठ! नागराज का विष अभी भी उसके पास मौजूद है!
तू झूठ बोल रही है!
पर सच मेरे सामने आ चुका है!
कालजयी!
हां, मैं! तुम्हारे जाल में फंसकर मैंने वाकई नागराज के साथ अन्याय कर दिया था!
पर अब मैं अपनी गलती को सुधारूंगा!
मुझे पता होना चाहिए था कि नागराज कभी गलती से भी निर्दोषों पर अत्याचार नहीं कर सकता!

लेकिन देव कालजयी ने सही निर्णय लेने में शायद देर लगा दी थी-
जालचट के कांटों ने नागराज का खून चूसने के साथ-साथ उसको तांत्रिक ऊर्जा से जड़ भी कर दिया था-
मौत अब नागराज को छूने ही वाली थी-
कि तभी अचानक-
अरे! मुझे... मुझे अपने शरीर में एकाएक शक्ति का तेज बहाव महसूस हो रहा है! ऐसा लग रहा है जैसे मेरे शरीर में सूक्ष्म सर्प फिर से पनपने लगे हैं!
मेरे... मेरे शरीर में विष फिर से दौड़ने लगा है!
और इसका सबूत है मेरा खून पीने के बाद जालचट का यह गलता शरीर! इसका तो एक ही अर्थ हो सकता है! और वह ये कि देव कालजयी ने मुझको अपना दिया शाप वापस ले लिया है!
हां, नागराज! नगीना और गरलगंट के जाल में फंसकर मैं भ्रमित हो गया था नागराज।
पर अब मैं तुमको तुम्हारा विष और तुम्हारी शक्तियां फिर से वापस दे रहा हूं!

इस पल के बाद तुम फिर से बन जाओगे मेरे विष से युक्त महानायक शक्तिशाली नागराज !
दुख इस बात का है कि मैं इस षड़यंत्र को रचने वाली नगीना को दंड नहीं दे सका ! गरलगंट उसको लेकर कहीं विलुप्त हो गया !
गरलगंट स्वयं ही नगीना को असफल रहने का दंड दे देगा देव !
हमारा धन्यवाद भी स्वीकार करें देव कालजयी! क्योंकि आपने नागराज को नाग शक्तियां वापस देकर हमको बेघर होने से बचा लिया है!
समाप्त.